विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 25 अप्रैल से 1 मई 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 44 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का ज़ीवन सिद्धांत

पिता के त्याग की बराबरी कोई नहीं कर सकता है. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस घर से पिता का साया हट जाता है, वहां की स्थिति का अंदाजा वही घर लगा सकता है. इसलिए त्यागी व्यक्ति को जितना प्रोत्साहित किया जाए, वह उतना ही बेहतरीन काम करताहै. इसलिए साथ नहीं दे सकते हैं तो ठीक लेकिन परिवार के प्रमुख पिल्लर पिता को हतोत्साहित नहीं करें. उसके त्याग को जहां समझा जाता है, वही घर आगे बढ़ता है.

अमरावती सहित कई सीटें महत्वपूर्ण

लोकसभा चुनाव,शुक्रवार को अमरावती सहित कई सीटों के लिए होगा मतदान

अमरावती/मुंबई- महाराष्ट्र की कई सीटों पर इस बार काफी कुछ बदलाव दिखाई देने वाले हैं. अमरावती कीसीट पर जहां पहली बार भाजपा की प्रत्याशी नवनीत राणा खड़ी हैं, उम्मीदवारी घोषित होने से ही यह सीट न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर छायी रही. यहां पर त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है. बाजीगर कौन होगा, यह तो बाद में ही पता चलेगा. वहीं परभणी लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिमों की आबादी अच्छी-खासी है. इस क्षेत्र में अविभाजित शिवसेना 1989 से ही खान या बान (धनुष-बाण का बाण) का नारा देकर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के सहारे यहां से लोकसभा चुनाव जीतती आई है. इस बीच सिर्फ एक बार 1998 में कांग्रेस यहां से जीत सकी थी. मगर अब विभाजन के बाद शिवसेना (यूबीटी) के हाथ से उसका चुनाव चिह्न निकलकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास जा चुका है. साथ ही, महाविकास आघाड़ी का हिस्सा बनने के बाद उद्धव ठाकरे की हिंदुत्वनिष्ठ विचारधारा पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं. ऐसे में परभणी के बहुसंख्यक मतदाता इस बार किसके साथ खड़े होंगे, ये सवाल बना हुआ है.

लोकतंत्र की मजबूती में हर वोट की महत्वपूर्ण कीमत होती है. राष्ट्र धर्म, देश के विकास तथा विश्व का महागुरू बनाने की ताकत हमारे वोट में है. इसलिए हर मतदाता को वोट देना चाहिए.प्रशासन द्वारा इसके लिए जागरूकता प्रयास किया गया है. हर मतदाता को अपना कीमती वोट देकर अपने दायित्व की पूर्ति करनी चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान जागरण अभियान

परभणी जिला महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र का हिस्सा है. आजादी से पहले पूरा मराठवाड़ा हैदराबाद के निजाम की रियासत की हिस्सा था. परभणी में 24 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी है. यही कारण है कि 1985 के बाद जब शिवसेना प्रमुख बालासाहब ठाकरे ने हिंदुत्व की राजनीति शुरू की, तो मुंबई के बाहर मराठवाड़ा में ही अपना विस्तार करना शुरू किया.शिवसेना ने भाजपा के साथ सीटों के बंटवारे में मराठवाड़ा की ही ज्यादा सीटें लीं. उनमें परभणी की भी एक सीट **शेष पेज नंबर 5 पर**

चि.ओमप्रकाश- चि.सौ.कां.आरती

शहर के प्रतिष्ठि नागरिक, व्यवसायी कुलशेखर रामलाल त्रिपाठी के सुपुत्र चि.ओमप्रकाश का शुभ विवाह लोणटेक अमरावती निवासी मधुराप्रसाद जगन्नाथ मिश्रा की सुपुत्री चि.सौ.कां.आरती के साथ रविवार 28 अप्रैल को रात 8 बजे दीर्पाचन हॉल, राजापेठ में होने जा रहा है. द्वाराचार रात 8 बजे और पाणिग्रहण संस्कार तथा भांवर रात 1 बजे शुभ बेला में होगा.

नवदम्पति को कोटि-कोटि मंगल शुभकामनाएं.

मंगलमय हो मिलन तुम्हारा, मिले प्रभु का आशिर्वाद सारा

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान परिवार, समस्त दुबे परिवार, त्रिपाठी परिवार,अमरावती पंडित परिवार, कल्याण तथा असंख्य मित्र परिवार, अमरावती.

संपादकीय

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान हो अनिवार्य

देश का भाग्य तय करने का काम संसद करती है. संसद का चुनाव हो रहा है लेकिन लोकतंत्र की मजबूती में लोगों की जितनी सहभागिता होनी चाहिए, वह नहीं दिखाई दे रही है. लोकसभा के चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा आश्वासनों की खैरात बांटी जाती है. सरकार केफैसले पर बाद में कोसने की बजाय सभी देशवासियों को राष्ट्र धर्म को सबसे बड़ा धर्म मानने, विकास को बढ़ावा देने, सभी को साथ लेकर चलने वाली, किसी के साथ भी पक्षपात नहीं करने वाली सरकार के चयन के लिए शतप्रतिशत मतदान करना चाहिए. स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकार में पार्टनरशिप निभाने के लिए देश के हर मतदाता से अपना वोट डालने और बेहतरीन सरकार का चयन करने का आग्रह किया है. विदर्भ स्वाभिमान का मानना है कि संविधान ने हमें ब्रह्मास्त्र के रूप में मतदान का अधिकार दिया है. लेकिन दुर्भाग्य की बात ही कही जा सकती है कि नागपुर जैसे बड़े शहर में अगर वोटिंग प्रतिशत कम होता है और पचास फीसदी से भी कम होता है तो निश्चित तौर पर चिंता की बात है. मतदान नहीं करने वालों की सरकारी सुविधाएं छीनने जैसा सख्त कदम चुनाव आयोग को उठाना चाहिए. करोड़ों रूपए मतदान जागरूकता पर खर्च होने के बाद भी अगर पचास फीसदी मतदान हो रहा है तो इससे अधिक शर्मसार करने वाली बात और क्या होगी.

अमरावती के जिलाधिकारी सौरभ कटियार के साथ ही पूरा प्रशासन मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रयासरत है. दिव्यांगों के शतप्रतिशत मतदान के लिए जया राऊत के नेतृत्व में सहायक नोडल अधिकारी पंकज मुद्गल, पी.डी. शिंदे, नीरज तिवारी के साथ ही पूरी टीम द्वारा जी-जान से प्रयास किया जा रहा है. मौसम के कारण सुबह ही अधिकाधिक मतदाताओं द्वारा अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का निर्वहन करने का प्रयास करना चाहिए. मतदान हमारा न केवल अधिकार बल्कि कर्तव्य है. संविधान ने हमें यह अधिकार देश की भलाई और लोकतंत्र की मजबूती के लिए दिया है. ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि हम इस अधिकार का किस तरह अधिकाधिक इस्तेमाल करें और मतदान का महत्व अन्यों को भी समझाकर प्रेरित करें. जब अच्छे उम्मीदवार, राष्ट्र प्रेम और विकास का विजन रखने वाले देश में चुने जाएंगे तो निश्चित तौर परदेश का भी भला होगा और लोकतंत्र भी मजबूत होगा.

भारत विश्व का महान लोकतंत्र है. यह सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय है. लेकिन भारतीय मतदाताओं के वोट देने का क्या कोई मापदंड होता है. किस आधार पर मतदाता मानसिकता बनाता है. कांग्रेस जहां अल्पसंख्यकों को अपना गढ़ा वोट बैंक मानती है, वहीं कई बार माना जाता है कि भाजपा को मुस्लिम वोट नहीं मिलते हैं. क्या इसमें सच्चाई है, ऐसे कई सवाल हैं. अमरावती संसदीय चुनाव ही नहीं बल्कि मतदाताओं के वोटबैंक का मापदंड किस आधार पर होता है, यह पता नहीं चलता है. मतदान के लिए सरकारी के साथ निजी छुट्टी भी सरकार द्वारा दी जाती है. इसका उपयोग करते हुए युवाओं के साथ ही सभी मतदाताओं को अधिकाधिक मतदान करते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए. मतदान से ही देश की सूरत बदलने में मदद मिल सकती है. राष्ट्रधर्म को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए.

मतदान में राष्ट्रधर्म हो सबसे आगे

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

कहते हैं कि यथा राजा तथा प्रजा. जैसा राजा होगा, वैसी प्रजा होगी. सरकार अगर अच्छी है तो देश का विकास होगा, देश की समस्याओं को हल करने में वह सक्षम होकर देश के हर व्यक्ति का सहयोग देश विकास में होगा. लेकिन अगर गलत सरकार चुनी गई, गलत लोग चुने गए तो निश्चित तौर पर इसका दंश हमें ही भुगतना पड़ता है. सरकार चयन के समय सभी को साथ में लेकर चलने वाली हो, राष्ट्र धर्म और राष्ट्र का विकास करते हुए उसे सबसे आगे ले जाने वाली मानसिकता हो, किया गया वादा निभाने और देश को बेच खाने वाली मानसिकता नहीं हो. आचार्य चाणक्य ने कहा था कि किसी राष्ट्र का अगर पतन करना है तो लोगों को मुफ्त में देना शुरू कर दो, देशवासी वैसे ही आलसी बन जाएंगे, ऐसे में जो भी राजनीतिक दल मुफ्त में देने का ऐलान करता है, उससे बड़ा देश का दुश्मन कोई नहीं हो सकता है. इस चुनाव में विकास के साथ ही राष्ट्रधर्म को महत्व देने की जरूरत है. मिश्रीमलजी के सुशिष्य ज्योतिषाचार्य गरुदेव अमृतमुनि ने कहा कि संतों को धर्म या समाज से ऊपर उठकर राष्ट्रधर्म की बात करनी चाहिए. उनके लिए सबसे बड़ा धर्म है राष्ट्र धर्म. राष्ट्र अगर सुरक्षित है तो ही हम सुरक्षित रह सकते हैं. वैसे भी विकास के लिए शांति और प्रगति की जरूरत होती है. यह जहां होती है तरक्की वहीं होती है. इस सच्चाई से कोई भी इंकार नहीं कर सकता है. आज मतदान का प्रतिशत शर्मसार करने वाला होता है. गरीब मजबूरी में और अमीर यह सोचकर मतदान में दिलचस्पी नहीं दिखाता है कि उसके पास सब कुछ है, छुट्टी रहने के बाद भी अगर मतदान नहीं करते हुए पिकनिक मनाने कोई जाता है तो निश्चित तौर पर यह शर्मसार वाली बात है. इस सच्चाई से कोई इंकार नहींकर सकता है कि हमारे यहां दंड के बाद सुधरने वाली मानसिकता है. एक वर्ग जिसे हम अनपढ़ समझते हैं, वह अपने वोट की कीमत समझता है लेकिन वहीं लाखों ऐसे पढ़े-लिखे बेवकूफ हैं, जो अपने मतदान की कीमत नहीं समझते हैं. पांच साल में मिला ब्रह्मास्त्र कुछ लोग क्षणिक स्वार्थ में गलत जगह चला देते हैं. इसका दंश सभी को पांच साल झेलना पड़ता है. राष्ट्रधर्म, राष्ट्र के विकास के साथ ही बेरोजगारी, गरीबी हटाने के साथ ही किसानों को न्याय देने का मंसूबा रखने वाले लोगों का चयन होना चाहिए. मतदान नहीं करने वालों की सरकारी सुविधाएं छीनने का कदम उठाना चाहिए. जो देश का नहीं वह भला किसका हो सकता है, इस पर चिंतन होना जरूरी है.

अंगुली पर निशान हो सब की शान

विदर्भ स्वाभिमान शतप्रतिशत मतदान होना चाहिए

मतदान का अधिकार हर भारतीय को प्राप्त ब्रह्मास्त्र जैसा है. पांच साल में एक बार इसके माध्यम से हम बेहतरीन जनप्रतिनिधि का चयन कर बेहतरीन सरकार बनाने की ताकत रखते हैं. सभी को मतदान करते हुए राष्ट्रधर्म तथा जनहित को महत्व देने वालों का साथ देकर अपनी बेहतरीन भूमिका निभानी चाहिए. हर हाल में सभी को मतदान करते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए.

समूचे विश्व में प्रगति वही राष्ट्र करता है, जहां देश के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठ एवम समर्पित लोग होते हैं.भारतीय लोकतंत्र का सम्मान समूचे विश्व में होता है, यह निश्चित तौर पर हर भारतीय के लिए अभिमान की बात है. राष्ट्र प्रथम वाली मानसिकता को बढ़ावा देने की जरूरत है. लोकसभा का चुनाव संपन्न हो रहा है. शतप्रतिशत मतदान का संकल्प मतदाता को कर लेना चाहिए. अंगुली पर मतदान का निशान हर भारतीय की शान होना चाहिए. मतदान केवल संविधान द्वारा हमें प्रदत्त ब्रह्मास्त्र रूपी हथियार ही नहीं है, बल्कि यह हर भारतीय के लिए गव का विषय होना चाहिए. इसी मतदान के सहारे हम अपना समझदार संसद प्रतिनिधि चुन सकते हैं. अच्छे जनप्रतिनिधियों का जब चयन होगा तो राष्ट्र प्रेमी, राष्ट्र के विकास का विजन रखने वाली और सभी को साथ लेकर चलने वाली सरकार बनेगी. मतदान का अधिकार हम सभी को समान रूप से मिला है.

हमारा मतदान न केवल सरकार के गठन में भूमिका निभाता है, बल्कि हमारे हर वोट के कारण ही देश का तथा हमारा और आने वाली पीढ़ियों की भलाई निहित होती है।

यह हमारे संविधान की ही महानता कहनी चाहिए कि हम सभी भारतीयों को सरकार चुनने का सीधा अधिकार दिया है।लेकिन यह चिंतन की बात है कि आजादी के इतने सालों बाद भी इसके लिए जागरूक करना पड़ रहा है।

सरकार द्वारा सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने के बाद भी अगर हम अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए समय प्रदान नही करते तो यह निश्चित तौर पर चिंतन का विषय है।

हमे महसुस होता है की मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चाहिए. इतना ही नहीं तो देश तथा लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाताओं को मतदान शतप्रतिशत हो प्रशासन या चुनाव आयोग की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर उस भारतीय की जिम्मेदारी है, जो देश के बारे में सदैव अच्छी सोच रखते है।सभी भारतीय नागरिको ने शतप्रतिशत मतदान करने के लिए संकल्प लेना चाहिए यह समय की पुकार है।अंगुली पर लगी स्याही... केवल निशान नहीं है,आपकी शान है,देश की पहचान है,लोकतंत्र की जान है और आपके अधिकार का सम्मान है. मतदान कर स्वयं को तथा देश को भी गौरवान्वित करने का संकल्प लेना चाहिए. हमारा मतदान जहां हमारे लिए शान रहेगा, वहीं देश को बेहतरीन सरकार मिलकर देश की प्रगति, विकास के साथ ही जनआकांक्षाओं को पूरा करने में सहयोग रहेगा.

सुदर्शन गांग
आनंद परिवार, बडनेरा

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

ज़नहित में किसी से भिड़ने वाले विधायक हैं राणा

साक्षात्कार : ज़नता का प्रेम ही मेरे लिए सबसे बड़ी दौलत, वही मेरी सबसे बड़ी गॉडफादर-रवि राणा

विदर्भ स्वाभिमान,24 अप्रैल

मेरे जीवन में सदैव जनता का प्यार मिला है, उसकी वजह से ही आज मैं और नवनीत राणा यहां हैं. ऐसे में जनता से बढ़कर मेरे लिए और कोई नहीं हो सकता है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस मेरे सदैव मार्गदर्शक रहे हैं. उनकी सलाह और मार्गदर्शन हम दोनों के लिए सदैव सर्वाधिक उपयोगी साबित हुआ है. इस आशय का मत बडनेराके लोकप्रिय विधायक आदर्श मित्र, आदर्श पति रवि राणा ने किया. 28 अप्रैल को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 18 वर्षों से राजनीति में वे सक्रिय हैं. उनकी सबसे बड़ी ताकत जनता और कार्यकर्ता हैं, जो तन-मन-धन से उनके साथ खड़े रहते हैं. जनता के लिए कुछ भी करने के लिए तत्पर रहने वाले विधायक राणा कई बार विवादों में भी आते हैं. लेकिन उनका कहना है कि जनता के विश्वास के लिए अगर उन्हें विवाद भी करना पड़ता है तो वे पीछे नहीं हटते हैं. उद्देश्य केवल और केवल जनता का हित रहता है. वे जितन लोकप्रिय उतने ही विवादित नेता भी रहे हैं. यही कारण है कि ऐसा शायद ही कोई दिन जाता है, जब मीडिया या टीवी चैनलों पर राणा दम्पति का कुछ न कुछ

नहीं रहता है. जनता की सेवा के साथ ही जिले के सर्वांगीण विकास के लिए भी राणा दम्पति सदैव तत्पर रहता है. यही कारण है कि जनता का सदैव विश्वास उन्हें मिलता है.

शून्य से संसार बनाने वाले रवि राणा का कहना है कि जीवन में कई बार हमारी नेकी ही हमें सिंहासन पर पहुंचाती है. इसके जिवंत उदाहरण विदर्भ के लोकप्रिय विधायक रवि राणा हैं. बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के राजनीति के क्षेत्र में आज उनका सिक्का न केवल जिला,राज्य बल्कि केन्द्रीय राजनीति तक चलता है. युवा स्वाभिमान को राजनीति के साथ ही स्थापना के दिन से ही जनहित में जोड़ने वाले, हर साल गरीबों की मदद खुशियों के मौके पर करने वाले वे एकमात्र नेता हैं. कभी किराणा, कभी महिलाओं को साड़ी, कभी किसानों की मदद के साथ ही दिव्यांगों सहति सभी की मदद करने में सदैव अग्रणी रहते हैं. वे कहते हैं कि इन्सान भले ही उनका विरोधी हो जाए लेकिन उनके द्वारा नेकी के काम की दुवाएँ सदैव उनके साथ होती हैं. यही कारण है कि उनकी चाहत भी पूरी होती है. गलत के मामले में रफ एन्ड टफ रहने वाले दिग्गज नेताओं के साथ ग़हरे संबंध रखने वाले रवि राणा का कहना है कि वे कभी किसी से नाराजी नहीं रखते हैं लेकिन कोई उन्हें अगर छेड़ने का काम करता है तो उसे छोड़ते भी नहीं हैं. गरीबों में अपार लोकप्रियता हासिल करने वाले तथा उनके सुख-दुख के साथ विधायक रवि राणा को जन्मदिन की विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु चरणों में यही कामना.

देश की शान,सभी करें मतदान

विदर्भ स्वाभिमान, 24 अप्रैल

अमरावती- लोकसभा का चुनाव प्रचार खत्म हो गया है. अमरावती सीट से तीन दिग्गजों में मुकाबले के स्पष्ट आसार के बीच ही सभी मतदाताओं से देश की बेहतरी के लिए अपना कीमती वोट देने का आग्रह विदर्भ स्वाभिमान करता है. देश में लोकतंत्र की मजबूती के साथ ही बेहतरीन जनप्रतिनिधि के चयन के लिए शतप्रतिशत मतदान होना चाहिए. हमारा कीमती वोट हमें सक्षम सरकार के गठन के लिए देने का प्रयास करना चाहिए. हमारा एक वोट कितना कीमती होता है, यह देश के इतिहास ने कई बार साबित किया है. केवल एक वोट से सरकारें गिर जाती हैं. सत्ता पलट जातीहै. इसलिए हरवोट कीमती है, इसको ध्यान में रखते हुए सभी को मतदान करना चाहिए. यह भी एक प्रकार से देश की सेवा होती है.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

ज़नहित,विकास हित में समर्पित तथा जनता के हितों के लिए किसी से भी भिड़ने वाले, जनता के लोकप्रिय विधायक

रविभाऊ राणा

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं

शुभेच्छुक - रविभाऊ राणा मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार

किसी के साथ कभी छल नहीं करना चाहिए

पं.प्रदीप मिश्रा की कथा के मंडप का काम तेज, अभूतपूर्व बनाने की तैयारी है तेजी पर

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

मानवता की सेवा भी ईश्वर सेवा है

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक प्रभु को परमपिता कहते हैं. यानी हर इन्सान के परम पिता अगर प्रभु हैं तो किसी को भी तकलीफ होती है तो उन्हें तकलीफ होती है. मानवता की सेवा के माध्यम से हमेशा हम अपनी नजरों के साथ ही प्रभु की नजरों में भी पाक साफ हो सकते हैं. जो लोग किसी के साथ भी छल कर बहुत बड़े बन जाते हैं, एक समय ऐसा आता है कि वे प्रायश्चीत करना चाहते हैं लेकिन प्रकृति उन्हें प्रायश्चीत करने का मौका नहीं देती है. इसलिए ऐसा कोई कर्म नहीं करना चाहिए, जैसी हम अपेक्षा नहीं करते हैं. पंडित प्रदीप मिश्रा सदैव इसी बात पर जोर देते हैं.

मंडप के भूमिपूजन के साथ काम शुरू

अचलपुर- तहसील में जयस्वाल बंधुओं द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा के भव्य मंडप का भूमिपूजन हाल ही में मान्यवरों द्वारा किया गया है. मंडप का जहां काम भव्य पैमाने पर शुरू है, वहीं प्रकाश जयस्वाल के साथ ओमप्रकाश जयस्वाल द्वारा भी सभी के सहयोग से यहां होने वाली शिव महापुराण कथा को अभूतपूर्व बनाने का प्रयास किया जा रहा है. कथा के मदेदनजर प्रशासन भी तैयारियां में लगा है. चुनावी भागदौड़ के कारण प्रशासन का अभी ध्यान चुनाव पर है लेकिन पार्किंग से लेकर समय-समय पर अन्य व्यवस्थाओं के बारे में प्रशासन द्वारा भी मार्गदर्शन किया जाता है.

अच्छे कर्म कभी भी बेकार नहीं जाते हैं. वे किस रूप में हमारी मदद करते हैं, इसका एहसास वही कर सकता है, जो सदैव अच्छा करने का प्रयास करता है. ऐसे में हमें भी चाहिए कि हम जीवन में सदैव अच्छे काम करने के साथ ही सदैव जितना संभव हो उनता अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए.पिछले रविवार को यहां पर हुई सभा में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई. 5 मई को महिलाओं की भव्य कलशयात्रा निकलेगी और 6 मई से कथा शुरू होगी. इससे पहले पंडित प्रदीप मिश्रा का आगमन होगा और इस कथा में संभाग के साथ ही राज्यभर तथा देशभर से शिवभक्तों के उमड़ने की संभावना है. सुख्यात व्यवसायी जयस्वाल बंधुओं द्वारा 5 से 11 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा क़ी तैयारियां लगातार जारी हैं. मंडप के साथ ही भव्य नियोजन के लिए प्रशासन के साथ कई बार बैठकों का दौर हो रहा है. कथा का बड़ी संख्या में भक्तों से लाभ लेने और जीवन सफल करने का आग्रह जयस्वाल बंधुओं ने किया है.

सेवाभाव,भक्तीभाव के बेहतरीन संगम हैं देवराव भोरे

आज 27 अप्रैल को ज़न्मदिन पर विशेष, परिवार का शहर में चलता है नाम

अमरावती- ज़ीवन में कुछ लोगों का साथ भी अत्याधिक महत्वपूर्ण होता है. ऐसे लोग समाज के सामने आदर्श होते है. अंबाविहार निवासी और भोलेनाथ के भक्त, कर्मठ अधिकारी रहे देवराव भोरे ऐसे ही व्यक्ति हैं. दोनों बेटों के साथ आज उनका परिवार आदर्श परिवार के रूप में पहचाना जाता है. सादगी, समझदारी के साथ ही समाज कार्य में सदैव अग्रणी रहते हैं. उनकेजन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, तपोनेश्वर महादेव के चरणों में यही कामना. पूरा भोरे परिवार ही शिक्षित, सामाजिक और भक्तिभाव में अग्रणी परिवार है, इसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है. जीवन में खुशियां मिलती हैं लेकिन उसका दुरूपयोग करने के बाद जिंदगी में दुख भी उतने ही मिलते हैं. लेकिन जीवन में सदैव सभी का ख्याल रखने के साथ ही परिवार को आदर्श परिवार केरूप में समाज में स्थापित करने वाले अंबाविहार निवासी देवराव महादेवराव भोरे विरले व्यक्ति हैं. बचपन के संघर्षों से जूझते हुए उन्होंने जहां जीवन में स्वयं का स्थान बनाया, वहीं दूसरी ओर अपनी ईमानदारी, मेहनत, लगन और समर्पण के कारण कामयाबी की बुलंदी हासिल की. आज भोरे परिवार किसी एक क्षेत्र नहीं बल्कि व्यवसाय, सामाजिक सेवा, राजनीतिक क्षेत्र के साथ ही हर क्षेत्र में अग्रणी है. गुरूवार 27 अप्रैल को उनके जन्मदिन का अमृत महोत्सव है. परिवार द्वारा इसे भव्य पैमाने पर मनाया जा रहा है. सर्वप्रथम उन्हें अमृत महोत्सव पर विदर्भ स्वाभिमान की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. अकोला जिले के मुर्तिजापुर तहसील के पारद गांव में देवराव भोरे का जन्म 27 अप्रैल 1948 को हुआ था. उन्होंने उस समय बीए प्रथम वर्ष तक की शिक्षा प्राप्त क़ी. इतना ही नहीं तो शिक्षा विभाग में कनिष्ठ लिपीक के रूप में नौकरी की. अपनी मेहनत, लगन, ईमानदारी और समर्पण जैसे गुणों के कारण मुख्य लिपीक तथा अधीक्षक के रूप में सेवानिवृत्त हुए. बचपन से ही मेहनती, सूझबूझ रखने के साथ ही धार्मिक प्रवृत्ति के रहने वाले देवराव भोरे संत सीतारामजी के भक्त थे. उनकी सेवा और अन्य धार्मिक कामों में उनके समर्पण के कारण इस क्षेत्र में रूझान हुआ. वे श्री क्षेत्र तपोनेश्वर संस्थान बोडणा के अध्यक्ष के रूप में संस्थान को शानदार ऊंचाईयां सभी के साथ मिलकर जहां प्रदान की, वहीं दूसरी ओर 2006 से 2019 तक मंदिर के विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान दिया. इतना ही नहीं तो श्रावण मास, चातुर्मास,अधकि मास, नवरात्र, दशहरा, दिवाली तथा महाशिवरात्रि के साथ श्री सीताराम गिरी महाराज पुण्यतिथि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त के साथ ही सामाजिक कामों में भी वे सदैव अग्रणी रहते हैं. इस पौराणिक महत्व रखने वाले मंदिर के जीर्णो द्धार में भारतकर, रूपचंद खंडेलवाल, रामचंद्र गुप्ता, भुजाळे, बाहेकर के साथ मिलकर बेहतरीन काम किया. वे सदैव नेक कामों में भी अग्रणी रहते हैं. उन्हें स्वस्थ जीवन की मंगमय हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

ज़ीवन में भाई तथा बहन का आत्मीय प्यार करोड़ों की दौलत से बढ़कर होता है. पैसे के लिए कभी भी रिश्तों को खराब नहीं करना चाहिए. हम सभी यात्री हैं, जीवन में कब कहां उतरना पड़ जाए कह नहीं सकते हैं, ऐसे में ऐसा काम करने का प्रयास करें, जिसके लिए याद रहें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

आम आदमी है परेशान,महंगाई ने किया है बेहाल,निकल रहा तेल

अमरावती- भीषण महंगाई के कारण लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं. एक ओर भीषण गर्मी लोगों को त्रस्त कर रही है, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल-डीजल दर्वृद्धि के कारण जिस तरह से महंगाई ने रफ्तार पकड़ा है. उसको लेकर सभी में चिंता वाली स्थिति है. लोगों के लिए यह कठिन हो सकता है. लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही सच है कि जीवन में कभी इस तरह की स्थिति से लोगों को त्रस्त नहीं होना पडा है. लोगों का मानना है कि आय तो नहीं बढ़ रही है. निजी नौकरीपेशा लोगों पर खून के आंसू रोने की नौबत आ गई है. ऐसे में यह समझ से बाहर है कि महंगाई को लगाम लगाने वाली कोई यंत्रणा है या नहीं. लोग गर्मी से अधिक महंगाई से झुलस रहे हैं और सरकारों में बैठे नेताओं को केवलआरोप-प्रत्यारोप लगाने में मजा आ रहा है. खाद्य तेल की कीमत 50 फीसदी से अधिक बढ़ गई है. ऐसे में रसोई का पूरा बजट गड़बड़ा गया है. लोगों के मुताबिक यदि हम किसी तरह एक चीज संतुलित करने का प्रयास करते हैं तो महंगाई के कारण दूसरी चींज की स्थित खतरनाक हो जाती है. कुल मिलाकर सभी त्रस्त हो गए हैं.

मानवता का दीपक सभी को जलाने का प्रयास करना चाहिए

अमरावती - जीवन बड़ा कीमती है. इसे जीने में मजा तभी आता है, जब हम सभी को खुशियां देकर खुश देखकर खुश रहें. अगर हम किसी को कुछ नहीं दे सकते हैं तो सम्मान देकर भी उसे खुश रख सकते हैं. सभी में यही भाव होना चाहिए कि हम अगर किसी को खुश नहीं कर सकते हैं तो नाराज कदापि नहीं करेंगे. कई बार हमारी छोटी सोच के कारण ही परेशानी वाली स्थित बनती है. सच का रास्ता थोड़ा कठिन रहता है लेकिन वह स्थायी और सुकून देने वाला रहता है. जिस तरह मेहनत, संघर्ष की तैयारी सफलता की सीढ़ी तक पहुंचाती है, उसे निरंतरता देने का काम सत्य करता है. इसलिए किसी भी समस्या से बिना घबराए अपने स्तर पर प्रयास करते रहना चाहिए. सुख्यात समाजसेवी सुदर्शन गांग का. भारत महान देश है. हमारी संस्कृति महान है. जीवन में सदैव सकारात्मक सोच रखनी चाहिए. अच्छा काम कभी भी बेकार नहीं जाता है. अगर हमने अच्छा किया है, मन संतुष्ट है तो परमात्मा या प्रकृति इसकी दखल निश्चित रूप से लेती है.

अमरावती सहित कई सीटें हैं महत्वपूर्ण

पहले पन्ने से जारी-थी, जहां से 1989 में पहली बार शिवसेना के अशोकराव देशमुख चुनकर आए. हालांकि उस समय तक शिवसेना को उसका चुनाव चिह्न धनुष-बाण नहीं मिला था, इसलिए अशोकराव देशमुख निर्दलीय ही चुनकर आए थे. लेकिन जब शिवसेना को उसका चुनाव चिह्न धनुष-बाण मिल गया, तो उसने परभणी में खान या बान का नारा देना शुरू कर दिया.

अब बदल चुके समीकरण-परभणी की हिंदू आबादी शिवसेना के पक्ष में मतदान करती रही और 1998 का एक चुनाव छोड़कर वह लगातार यहां से जीतती भी रही. शिवसेना (यूबीटी) ने इस बार भी अपने दो बार के सांसद संजय जाधव को ही अपना उम्मीदवार बनाया है. लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं. अब शिवसेना में विभाजन के बाद शिवसेना (यूबीटी) के हाथ से उसका चुनाव चिह्न धनुष-बाण निकल चुका है.अब तो शिवसेना (यूबीटी) के परभणी कार्यालय में मुस्लिम कार्यकर्ता भी अच्छी संख्या में दिखाई देते हैं. तो सवाल खड़ा होने लगा है कि अब तक उसके साथ रहा हिंदू मतदाता इस बार शिवसेना (यूबीटी) का नया चुनाव चिह्न मशाल उठाकर चलेगा क्या ?

महादेव जानकर भी चुनाव मैदान में-दूसरी ओर इस बार भाजपानीत महायुति के सीट समझौते में परभणी की सीट शिवसेना (शिंदे) के हाथ से निकलकर राष्ट्रीय समाज पक्ष के अध्यक्ष महादेव जानकर के पास चली गई है. इसलिए परभणी में चुनाव चिह्न धनुष-बाण है ही नहीं. धनगर समाज के नेता एवं राज्य के पूर्व मंत्री महादेव जानकर ही यहां से महायुति के उम्मीदवार हैं. उनका चुनाव चिह्न सीटी है.महादेव जानकर को महाराष्ट्र भाजपा के दिग्गज नेता रहे स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे का करीबी माना जाता है. 2014 में वह बारामती से चुनाव लड़कर शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले को अच्छी टक्कर दे चुके हैं. परभणी में उनके धनगर समाज सहित ओबीसी वर्ग की अच्छी आबादी भी है.

प्रकाश आंबेडकर ने पंजाबराव डख को उतारा

पिछले चुनाव में प्रकाश आंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन आघाड़ी के मुस्लिम उम्मीदवार आलमगीर मोहम्मद खान को भी यहां से करीब डेढ़ लाख वोट मिले थे. इस बार आलमगीर बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, तो प्रकाश आंबेडकर ने अपनी पार्टी का उम्मीदवार मौसम विज्ञानी पंजाबराव डख को बनाया है. डख महाराष्ट्र के किसानों को मोबाइल पर मौसम की जानकारी देने के लिए जाने जाते हैं.

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

भीषण गर्मी से सड़कें हो रही दोपहर में वीरान

अमरावती - पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. इससे शहर के व्यस्ततम मार्गों पर दोपहर में वीरानी वाली स्थिति है. शहर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से अधिक है. इससे दोपहर में सड़क पर पूरी तरह से वीरानी वाला नजारा रहता है. लोगों के मुताबिक गर्मी ने त्राहि-त्राहि वाली स्थिति की है. बेमौसमी बारिश ने किसानों का बेड़ा गर्क कर दिया है.

बहुगुणी व्यक्तित्व, भगवान भोलेनाथ के अनन्य भक्त,सेवाभारी, ईमानदारी, कर्मठता की मिसाल, सभी को साथ लेकर चलने वाले

देवराव महादेवराव भोरे

को जीवन के अमृत महोत्सव पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

शुभेच्छुक

असंख्य मित्र परिवार, नितिन भोरे मित्र मंडल तथा विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

सेवाभावी,सहयोगी यार हैं रविभाऊ इंगळे

29 अप्रैल को जन्मदिन पर विशेष,विज्ञापन के क्षेत्र में सुख्यात

मेहनत, समर्पण, काम के प्रति निष्ठा के साथ ही बेहतरीन सहयोगी यार के रूप में रवि इंगले का उल्लेख किया जा सकता है. 29 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर उन्हें विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वे पत्रकारिता और विज्ञापन का याराना किसी से छिपा नहीं है. ऐसे में एड स्क्वेयर नामक विज्ञापन एजेंसी के संचालक के रूप में रविभाऊ इंगळे जहां बेहतरीन डिजाइनर के रूप में सुख्यात हैं, वहीं दूसरी ओर अपने खुशमिजाज, हरदिल अजीत तथा मिलनसार स्वभाव के कारण सर्वाधिक लोकप्रिय हैं. बातचीत में सादगी जहां उनमें भरी है, वहीं दूसरी ओर सम्पन्नता में विनम्रता की प्रतिमूर्ति हैं. हंसमुख रहने वाले रविभाऊ इंगळे किसी से पहली मुलाकात में ही उसका दिल जीतने की क्षमता रखते हैं. समाचार पत्रों के साथ जुड़ाव के साथ ही उनके स्वभाव के साथ ही काम के प्रति कर्मठता के कारण वे न केवल अमरावती जिले बल्कि समूचे विदर्भ में सुख्यात हैं. अमरावती में विज्ञापन के क्लायंट के दिग्गजों के साथ उनके दोस्ताना संबंध जहां सदैव चर्चाओं में रहते हैं, वहीं किसी भी कंपनी अथवा प्रतिष्ठान के विज्ञापन को सजाने के लिए जिस तरह से जी-जान मेहनत करते हैं, जिस तरह का विश्वास उन्होंने हासिल किया है, वह अपने आप में किसी चमत्कार से कम नहीं है. मिलनसार स्वभाव के साथ सदैव सक्रिय रहते हैं. व्यवसाय में आसमानी बुलंदी के साथ ही विज्ञापन के क्षेत्र में अमरावती का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने वाली शख्सियत के रूप में उनका उल्लेख किया जा सकता है. 29 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें
विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.
संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

सकारात्मक सोच का जीवन में होता है अहम महत्व

पंकज मुदगल ने किया शतप्रतिशत मतदान का आग्रह, इसे बताया ब्रह्मास्त्र

विदर्भ स्वाभिमान, 24 अप्रैल

अमरावती- लोकतंत्र की मजबूती तथा राष्ट्रहित में मतदान का अत्याधिक महत्व है. इसलिए हर भारतीय मतदाता को अपना मतदाता शान से करते हुए बेहतरीन और सक्षम सरकार के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए. इसके साथ ही जीवन में सकारात्मक सोच का अत्याधिक महत्व होता है. जब हम अच्छा सोचते हैं तो निश्चित तौर पर हमारा सब कुछ अच्छा ही होता है. नकारात्मक सोच सदैव गड्ढे में लेकर जाती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ मेहनत, समर्पण और निष्ठा से किया गया काम सदैव सफलता ही देता है. यह कहना है चुनाव में दिव्यांग सेल के सहायक नोडल अधिकारी और दिव्यांगों के विकास में जीवन झोंकने वाले पंकज मुद्गल का. दिव्यांग मतदान को प्रोत्साहित करने के साथ उन्होंने सभी सेमतदान करने का आग्रह किया.

जीवन में धन दौलत कमाई जा सकती है लेकिन खोया गया विश्वास,अपनापन कभी नहीं कमाया जा सकता है. इसलिए सदैव कोशिश यह करें कि हम विश्वास की कड़ी को टूटने नहीं देना चाहिए.अच्छी सोच के साथ किया गया काम कभी असफल नहीं होता है. इसलिए अपने मन को साक्षी रखते हुए कोई भी काम करने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर हम लोगों का प्यार पाने के साथ ही विश्वास जीतने में भी कामय रहते हैं. इसलिए सदैव अच्छे काम करने का प्रयासकरना चाहिए. इस आशय का मत डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध विद्यालय की कर्मशाला के व्यवस्थापकीय अधीक्षक पंकज मुदग्ल ने व्यक्त किया. स्वयं भी सेवा के साथ ही सामाजिक कामों में अग्रणी रहने वाले पंकज के मुताबिक नेकी कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, करने का प्रयास करना चाहिए.

सोच में स्पष्टता जरूरी

माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देने वाले पंकज मुदगल अपंग शिक्षक कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष के रूप में सेवारत हैं. यहां भी अन्याय तथा अत्याचार के खिलाफ सदैव संघर्ष की तैयारी रखते हैं. पंकज के मुताबिक दुनिया में सच्चाई से बड़ी ताकत और प्रेम, विनम्रता से बड़ा ब्रह्मास्त्र नहीं है. यह जीवन में जिसके साथ होते हैं, उसकी विजय सदैव होती रहती है. पंकज आज सम्पन्नता में विनम्रता की

विदर्भ स्वाभिमान

प्रतिमूर्ति हैं. इतना ही नहीं तो हजारों मित्र परिवार बनाया है. जब स्वार्थ बलवती है, ऐसे दौर में यारों के लिए उसका समर्पण और विश्वास कम नहीं होता है. कुल मिलाकर पंकज मुद्गल सामाजिक कामों में भी उतना ही सक्रिय रहता है, जितना कर्मठता के साथ ड्यूटी निभाता है. यारों के यार पंकज मुद्गल समाज के कामों में भी सदैव अपना योगदान देने का प्रयास करते हैं. उन्होंने भी रमजान ईद की शुभकामनाएं दी हैं.सभी से मतदान करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने का आग्रह पंकज मुद्गल ने किया.

राष्ट्रधर्म ही सबसे बड़ा धर्म होना चाहिए

माता-पिता की सेवा के साथ ही राष्ट्र धर्म को अत्याधिक महत्व देने वाली पंकज मुद्गल का कहना है कि हर व्यक्ति का पहला धर्म राष्ट्रधर्म होना चाहिए. हमें सदैव यह सोचना चाहिए कि अगर राष्ट्र सुरक्षित है तो ही हम सुरक्षित हैं. अगर राष्ट्र ही खतरे में रहेगा तो कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा. दिव्यांगों की सेवा को भगवान की सेवा मानने वाले पंकज मुद्गल का सामाजिक कामों में भी सदैव योगदान रहता है. वे कहते हैं कि जो भी जिम्मेदारी दी जाए, उसे पूरे तन-मन और धन से निभाने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा जिस दिन सभी देशवासी करेंगे तो भारत को विश्व महाशक्ति बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा. हर भारतीय को पहले देश और इसके बाद धर्म, जाति, पंथ के बारे में सोचना चाहिए. देश महान है, हम सभी महान देश के नागरिक हैं, इसका ख्याल रखना चाहिए.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

ज़नहित का जुझारू जननायक हैं रवि राणा

जन्मदिन 28 अप्रैल पर विशेष, सादगी, सम्पन्नता के बाद भी गरीबों के लिए रहते हैं सदैव नायक

मैने ग़रीबी करीब से देखी है, इसलिए बचपन से ही गरीबों के प्रति मेरे मन में सदैव आदर रहा है. इतना ही नहीं तो गरीबों पर अन्याय बर्दाश्त नहीं कर पाता हूं. राजनीति के साथ ही समाजसेवा की मेरी राजनीति में उतरने से पहले से ही आदत थी. अपनी खुशियों में सदैव गरीबों को जोड़ने की दुवा को ही मैं राजनीतिक जीवन में सफलता का माध्यम मानता हूं. इसलिए उनके लिए कुछ भी करने के लिए सदैव तत्पर रहता हूं. मेरी कोई राजनीतिक परिवार की पृष्ठभूमि नहीं रहने के बाद भी जनता का असीम प्यार ही मेरी सबसे बड़ी दौलत है. जीवन में हर व्यक्ति को जितना संभव हो मानवता की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. अच्छा करने वाले के साथ भगवान कभी बुरा नहीं होने देते हैं. इस आशय की सोच रखने वाले रवि राणा आज राष्ट्रीय स्तर पर छाये रहने वाले तथा मीडिया का केन्द्र बने रहने वाले नेता हैं. लेकिन संवेदनशीलता, भावना तथा रिश्तों को कैसे निभाया जाता है, इसके भी वे उदाहरण हैं. जिन्हें चाहते हैं, दिल से चाहते हैं. लाखों कार्यकर्ता आज अगर उनके शब्द पर मरने मिटने तैयार होते हैं तो निश्चित तौर पर वंदा कुछ खास ही है. वे कहते हैं कि राजनीति करनी है तो जनता की भलाई के लिए करनी चाहिए, जिले को विकास में सबसे आगे ले जाने के लिए की जानी चाहिए. राजनीति जनता की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम समझकर ही वे सदैव सेवा करते हैं.

जीवन में सदैव जनसेवा को अत्याधिक महत्व दिया है. राजनीति में प्रवेश की बात हो, धार्मिक बात हो अथवा शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा मामला हो, सदैव अमरावतीवासियों के लिए जितना संभव हो सकता है, उतना करने का प्रयास किया. विकास की बात हो या फिर जिले तथा विदर्भ पर होने वाले अन्याय का मामला हो, मैं सदैव जनहित में आगे रहूंगा. जनता का अपार प्यार मैं अपना भाग्य मानता हूं. उसे बढ़ाने में कभी पीछे नहीं हटूंगा. बडनेरा के साथ अमरावती की जनता द्वारा दिया गया प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए जिले ही नहीं तो विदर्भ में सुख्यात रवि राणा ने कहा कि जनता के लिए कुछ भी करने के लिए वे सदैव तत्पर रहते हैं. जनता का सुख ही उनका सुख और दुःख वे अपना दुख मानते हुए इसके निराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं. जिले के लोकप्रिय नेताओं में से एक रवि राणा दबंग नेता के रूप में गिने जाते हैं. किसानों का मामला हो, छात्रों की बात हो तथा किसी भी पीड़ित की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. युवा स्वाभिमान पार्टी को जनसेवा का आधार बनाने के साथ ही उन्हों ने इसे जनसेवा में पूरी तरह से समर्पित कर दिया है. आज पार्टी द्वारा जितने सामाजिक उपक्रम लिए जाते हैं, उतने शायद ही किसी द्वारा लिया जाता है. अपने जन्मदिन को कई दशकों से सेवादिन बनाने वाले, दीपावली, ईद के साथ ही डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर गरीबों के दरवाजे तक मदद करने वाले अपार लोकप्रीय नेता हैं. क़ेन्द्रीय स्तर के नेताओं से उनका करीबी संबंध है लेकिन इसके बाद भी उनकी सादगी, किसी की झोपड़ी में बैठकर भोजन करने में उनका गर्व लगता है. उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ ही प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह सहित केन्द्रीय नेताओं के करीबी रहने के बाद भी उनकी सादगी उन्हें लोगों के दिलों में स्थान देती है. बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास करने वाले रवि राणा जनता में लोकप्रिय हैं लेकिन स्पष्ट बोलने की आदत के कारण विवादों में रहते हैं.उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, जनहित में सदैव कार्य करतें रहें, प्रभु चरणों में यही कामना. उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, श्री गोविंदा के चरणों में यही कामना.

उम्र के ५० बाद चिंतन करना शुरू करें

ज़ीवन में जिन लोगों को गरीबी से तेजी से आगे बढ़ाते हुए प्रभु ने इस लायक समर्थ किया है कि वे स्वयं के साथ ही समाज के किसी दबे-कुचले व्यक्ति की भी मदद कर सकें, ऐसे लोगों को यह करने का प्रयास करना चाहिए. वैसे भी हमारी कमाई जब अच्छे कामों में लगती है तो प्रभु की कृपा के साथ ही बरकत भी बनी रहती है. देने वाले को प्रभु देने में जैसे कमी नहीं करते हैं, वैसे ही केवल लेने की मानसिकता वाले को भी बिना झटका दिए नहीं रहते हैं. इसलिए कोशिश करें कि हम अपने साथ ही अन्यों के लिए भी कितना जी पाते हैं, बड़ा आनंद मिलेगा.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

भारतीय संविधान ने हर भारतीय को मतदान का अधिकार दिया है. हमारा प्रथम कर्तव्य बनता है कि हम सभी मतदान करते हुए देश को बेहतरीन सरकार बनाने में अपना साझेदार के रूप में योगदान दें.देश में मतदान के लिए जागरूकता कार्यक्रम लेना पड़ना निश्चित ही शर्मसार करने वाली बात है.हमारा कर्तव्य बनता है कि हम स्वयं तो मतदान करें ही अन्यों को भी प्रोत्साहित करें. ऐसा कर हम बेहतरीन जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभा सकते हैं. सभी मतदान करें.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com